विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय

रूपम कुमारी ,वर्ग- दशम्, विषय- हिंदी

दिनांक- 1 सितंबर 2020

Based on NCERT pattern

|| अध्ययन -सामग्री ||

सुप्रभात बच्चों ,

आज की कक्षा में भी हम आपके लिए- 'जॉर्ज पंचम की नाक' कृतिका पाठ- 2 लेकर उपस्थित हैं ।

जार्ज पंचम की नाक कमलेश्वर

यह बात उस समय की है जब इंग्लैंण्ड की रानी ऐलिज़ाबेथ द्वितीय मय अपने पति के हिन्दुस्तान पधारने वाली थीं। अखबारों में उनके चर्चे हो रहे थे रोज़ लन्दन के अखबारों में ख़बरें आ रही थीं कि श दौरे के लिए कैसी-कैसी तैयारियाँ हो रही हैं.... रानी ऐलिजाबेथ का दर्ज़ी परेशान था कि हिन्दुस्तान, पाकिस्तान और नेपाल के दौरे पर रानी क्या पहनेग ? उनका सेक्रेटरी और जासूस भी उनके पहले ही इ महाद्वीप का तूफान दौरा करने वाला था.. आखिर कोई मजाक तो था नहीं, ज़माना चूंकी नया था, फो फाटे के साथ निकलने के दिन बीत चुके थे इसलिए फोटोग्राफरों की फौज तैयार हो रही थी....

इंग्लैंड के अखबारों की कतरनें हिन्दुस्तान अखबारों दूसरे दिन चिपकी नज़र आती थी.... कि रानी ने ए

ऐसा हल्के नीले रंग का सूट बनवाया है, जिसका रेशमी कपड़ा हिन्दुस्तान से मंगवाया गया है... कि करीब 400 पौंड खर्चा उस सूट पर आया है।

रानी ऐलिज़ाबेथ की जन्मपत्री भी छपी। प्रिन्स फिलि के कारनामे छपे, और तो और उनके नौकरो, बावर्चि खानसामों, अंगरक्षकों की पूरी-की-पूरी जीवनियां देख में आई ! शाही महल में रहने और पलनेवाले कुत्तों तक की जीवनियाँ देखने में आईं ! शाही महल में रहने और पलने वाले कुत्तों तक की तस्वीरें अखबारों में छप गईं ....

बड़ी धूम थी। बड़ा शोर-शराबा था। शंख इंग्लैंड में ब रहा था, गूँज हिन्दुस्तान में आ रही थी।

इन अख़बारों से हिन्दुस्थान में सनसनी फैल रही थी.,....राजधानी में तहलका मचा हुआ था। जो रानी 5000 रुपये का रेशमी सूट पहनकर पालम के हवाई

अड्डे पर उतरेगी उसके लिए कुछ तो होना ही चाहि
कुछ क्या, बहुत कुछ होना चाहिए। जिसके बावर्ची
पहले महायुद्ध में जान हथेली पर लेकर लड़ चुके
उसकी शान-शौकत से क्या कहने और वही रानी
दिल्ली आ रही है....
नई दिल्ली ने अपनी तरफ देखा और बेसाख़्ता मुंह
निकल गया -वह आएं हमारे घर, खुदा की रहमत..
कभी हम उनकों कभी अपने घर को देखते हैं। और
देखते-देखते नई दिल्ली का कायापलट होने लगा।

George Pancham Ki Naak Kamleshwar

जार्ज पंचम की नाक कमलेश्वर

यह बात उस समय की है जब इंग्लैंण्ड की रानी ऐलिज़ाबेथ द्वितीय मय अपने पति के हिन्दुस्तान पधारने वाली थीं। अखबारों में उनके चर्चे हो रहे थे रोज़ लन्दन के अखबारों में ख़बरें आ रही थीं कि श दौरे के लिए कैसी-कैसी तैयारियाँ हो रही हैं.... रानी ऐलिजाबेथ का दर्ज़ी परेशान था कि हिन्दुस्तान, पाकिस्तान और नेपाल के दौरे पर रानी क्या पहनेग ? उनका सेक्रेटरी और जासूस भी उनके पहले ही इ महाद्वीप का तूफान दौरा करने वाला था.. आखिर कोई मजाक तो था नहीं, ज़माना चूंकी नया था, फे फाटे के साथ निकलने के दिन बीत चुके थे इसलिए फोटोग्राफरों की फौज तैयार हो रही थी....

इंग्लैंड के अखबारों की कतरनें हिन्दुस्तान अखबारों दूसरे दिन चिपकी नज़र आती थी.... कि रानी ने ए

ऐसा हल्के नीले रंग का सूट बनवाया है, जिसका रेशमी कपड़ा हिन्दुस्तान से मंगवाया गया है... कि करीब 400 पौंड खर्चा उस सूट पर आया है।

रानी ऐलिज़ाबेथ की जन्मपत्री भी छपी। प्रिन्स फिलि के कारनामे छपे, और तो और उनके नौकरो, बावर्चि खानसामों, अंगरक्षकों की पूरी-की-पूरी जीवनियां देख में आई ! शाही महल में रहने और पलनेवाले कुत्तों तक की जीवनियाँ देखने में आईं ! शाही महल में रहने और पलने वाले कुत्तों तक की तस्वीरें अखबारों में छप गईं ....

बड़ी धूम थी। बड़ा शोर-शराबा था। शंख इंग्लैंड में बज रहा था, गूँज हिन्दुस्तान में आ रही थी।

इन अख़बारों से हिन्दुस्थान में सनसनी फैल रही थी.,....राजधानी में तहलका मचा हुआ था। जो रानी 5000 रुपये का रेशमी सूट पहनकर पालम के हवाई

अड्डे पर उतरेगी उसके लिए कुछ तो होना ही चाहि
कुछ क्या, बहुत कुछ होना चाहिए। जिसके बावर्ची
पहले महायुद्ध में जान हथेली पर लेकर लड़ चुके
उसकी शान-शौकत से क्या कहने और वही रानी
दिल्ली आ रही है....
नई दिल्ली ने अपनी तरफ देखा और बेसाख़्ता मुंह
निकल गया -वह आएं हमारे घर, खुदा की रहमत..
कभी हम उनकों कभी अपने घर को देखते हैं। और
देखते-देखते नई दिल्ली का कायापलट होने लगा।